पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष

विषय : जैन विद्या

प्रथम पत्र – जैन आचार

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन आचार के आधार, स्वरूप एवं विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

Explain the basis, nature and charecteristics of Jain Conduct.

अथवा /OR

मोक्ष के साधक तत्त्वों का विवेचन करें।

Explain the supporting elements of Emancipation.

प्र. 2. पंच महाव्रत पर एक निबन्ध लिखें।

Write an essay on the five Great Vows.

अथवा /OR

लेश्या को परिभाषित करते हुए छः लेश्याओं का विवेचन करें।

Define the Leshya and explain the six Leshyas.

प्र. 3. गुणव्रत एवं शिक्षाव्रत का वर्णन करें।

Explain the Qualitying Vows and Practical Vows.

अथवा /OR

नव सूत्री जैन जीवन शैली का वर्णन करें।

Explain the nine elements of Jain Life Style.

प्र. 4. ध्यान के चार प्रकारों का वर्णन करें।

Explain the four types of meditation.

अथवा /OR

प्रेक्षाध्यान के अंगों पर प्रकाश डालें।

Throw light on the constituents of Preksha Meditation.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए–

Write short notes on any four of the following-

(i) पाँच आधार / Five Fold Conduct.
(ii) कर्म बन्धन के प्रकार/Types of Bondage.
(iii) अणुव्रत का कार्यक्षेत्र/Field of Anuvrat.
(iv) अणुव्रत का लक्ष्य/Aim of Anuvrat.
(v) परिग्रह के कारण/Causes of Possession.
(vi) अहिंसा प्रशिक्षण/Training of Non-violence.

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष

विषय : जैन विद्या

द्वितीय पत्र – जैन दर्शन के मौलिक तत्त्व

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन दर्शन के 'सृष्टिवाद' का वर्णन कीजिये।

Describe the 'Theory of Creation' of Jainism.

अथवा /OR

'जगत् और ईश्वर' पर निबन्ध लिखिये।

Write an essay on the 'Universe and God.'

प्र. 2. 'रत्नत्रय' पर प्रकाश डालिये।

Throw light on the 'Three Jewels.'

अथवा /OR

'त्रिपदी–सिद्धान्त' की व्याख्या कीजिये।

Explain the 'Theory of Tripadi.'

प्र. 3. कर्म के स्वरूप एवं भेद–प्रभेदों पर प्रकाश डालिये।

Throw light on the nature of Karma and its types.

अथवा /OR

'कर्म की अवस्थाओं' को स्पष्ट कीजिये।

Elaborate 'Stages of Karma.'

प्र. 4. 'स्याद्वाद सिद्धान्त' की विवेचना कीजिये।

Describe the 'Principle of Syadvada.'

अथवा /OR

'अनेकान्तवाद' पर प्रकाश डालिये।

Throw light on 'Anekantvada.'

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए –

Write short notes on any four of the following -

(i) नैगम नय / Naigam Naya.

(ii) सम्यक् चारित्र / Right Conduct.

(iii) कर्मवाद / Karmvad.

(iv) सम्यक् ज्ञान / Right Knowledge.

(v) सप्तभंगी / Saptbhangi.

(vi) लोक–अलोक / Loka and Aloka.

♦♦♦

लाईबनित्ज के ईश्वर की अवधारणा का वर्णन करें।

Write essay on the concept of "Theodicy" given by Leibnitz.

प्र. 4. जॉन लॉक 'द्रव्य विचार' पर लेख लिखें।

Write an essay on John Locke's idea about substance.

अथवा /OR

ह्युम के कार्य–कारण की दार्शनिक अवधारणा का वर्णन करें।

Explain the philosophical concepts of cause and effect of David Hume's.

प्र. 5. काण्ट के ज्ञान सिद्धान्त का वर्णन करें।

Write analytical introduction of Kant's theory of knowledge.

अथवा /OR

किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए –

Write short notes on any four:

(i) काण्ट की देश–काल सम्बन्धी अवधारणा।
Kant's views on space and time.

(ii) संदेहवाद – ह्युम /Skcpticism - Hume.

(iii) दृष्टि ही सृष्टि / Esse ert percipi.

(iv) द्वैतवाद / Dualism.

(v) संदेह विधि / Doubt method.

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष

विषय : जैन एवं जैनेत्तर दर्शन

प्रथम पत्र – पाश्चात्य दर्शन एवं एशियाई दर्शन

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. सुकरात की दार्शनिक पद्धति का वर्णन कीजिए।

Explain the method of philosophy of Socrates.

अथवा /OR

अरस्तु के कारणता के सिद्धान्त को स्पष्ट करें।

Describe the doctrine of causation at Aristotle.

प्र. 2. प्लेटो की ज्ञान मीमांसा का वर्णन करें।

Explain the Epistemology of Plato.

अथवा /OR

डेकार्ट के आत्मा के सिद्धान्त का आलोचनात्मक वर्णन करें।

Explain the critical evaluation of Descartes theory of Soul.

प्र. 3. स्पिनोजा के गुण व पर्याय के सिद्धान्त का वर्णन करें।

Explain the theories of 'Attributes' and 'modes' of Spinoza.

अथवा /OR

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष

विषय : जैन एवं जैनेतर दर्शन

द्वितीय पत्र – जैन न्याय

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. निम्न कारिका को स्पष्ट कीजिए – / Explain the verse-

सदेव सर्वं को नेच्छेस्वरूपादि–चतुष्टयात्।
असदेव विपर्यासान्न चेन्न व्यवतिष्ठते।।

अथवा /OR

'निक्षेपवाद' पर प्रकाश डालिये।

Throw light on the 'Nikshepvad.'

प्र. 2. 'सप्तभंगी व्यवस्था' को स्पष्ट कीजिये।

Define the 'Seven fold prediction.

अथवा /OR

'भावाभावात्मक रूप प्रमेय' का वर्णन कीजिये।

Describe Existence com non-existence of an object of knowledge.

प्र. 3. जैन दर्शन के 'प्रमाण' को स्पष्ट कीजिये।

Describe the 'Praman' of Jainism.

अथवा /OR

'प्रत्यक्ष प्रमाण' क्या है? समझाइये।

What is 'Direct organ of knowledge'? Explain it.

प्र. 4. जैन दर्शन के 'परोक्ष प्रमाण' पर प्रकाश डालिये।

Throw light on 'Indirect organ of knowledge.'

अथवा /OR

स्याद्वाद की अवधारणा स्पष्ट कीजिये।

Explain the concept of Syadvada.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखें–

Write short notes on any four of the following-

(i) अभाव / Negation
(ii) अनुमान / Anuman
(iii) प्रमाण–विषय / Subject of Praman
(iv) प्रमाण–फल / Result of Praman
(v) स्मृति / Memory
(vi) तर्क / Logic

♦♦♦

अथवा / OR

हजरत मोहम्मद के जीवन–वृत्त का संक्षिप्त परिचय देते हुए इस्लाम की नैतिक व्यवस्था पर प्रकाश डालिए।
Give a brief introduction of life history of Hazarat Mohamad and throw light on moral order of Islam.

प्र. 4. संत आगस्टाइन के दार्शनिक विचारों का वर्णन कीजिए।
Describe the moral philosophy of Saint Augustine.

अथवा / OR

संत एक्वीनस के सद्‌गुण सम्बन्धी चिंतन का वर्णन करें।
Describe moral philosophy of Sant Acquvinas.

प्र. 5. मार्क्स के दर्शन की मूलभूत अवधारणाओं का वर्णन कीजिए।
Explain the fundamental principles of Marxism.

अथवा / OR

निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखें–
Write short notes on any two of the followings-

(i) थोरो के सविनय अवज्ञा सम्बन्धी विचार।
Thoreau's concept of civil disobedience.

(ii) धर्म सम्बन्धी मार्क्स के विचार / Mark's view about Religion.

(iii) थोरो के आर्थिक सुधार सम्बन्धी चिंतन।
Economic reforms of Thoreau's.

(iv) सर्वोदय और मार्क्सवाद / Sarvodaya and Marxism.

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष

विषय : अहिंसा एवं शान्ति

प्रथम पत्र – अहिंसा और शान्ति – पाश्चात्य दृष्टि

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. यहूदी परम्परा में ईश्वर, जगत् व मानव के संप्रत्ययों का विवेचन कीजिए।
Explain the concepts of God, World and Human according to Judaism.

अथवा / OR

यहूदी धर्म की विशेषताओं का वर्णन करो।
Describe the qualities of Judaism.

प्र. 2. ईसाई धर्म में वर्णित नैतिक विचारों का वर्णन करें।
Describe the moral thoughts of Christian religion.

अथवा / OR

ईसाई धर्म की सामाजिक भूमिका की विवेचना करें।
Discuss the social role of Christian religion.

प्र. 3. इस्लाम में न्याय दिवस की व्याख्या कीजिए।
Describe the Justice day in Islam.

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष

विषय : अहिंसा एवं शान्ति

द्वितीय पत्र – अहिंसा एवं अणुव्रत

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. भारतीय परम्परा में व्रत एवं तप के चिंतन की व्याख्या करें।
Explain the thought of vows and penance in Indian traditions.

अथवा / OR

सामाजिक मूल्यों के लिए अपरिग्रह अनिवार्य व्रत है, कथन के पक्ष में मत दें।
'Non-possersion is an essential vow for social value. Explain in favour of this statement.

प्र. 2. अहिंसा एवं अणुव्रत एक ही सिक्के के दो पहलु हैं, विवेचना करें।
Explain Non-violence and Anuvarata are two sides of a same coin.

अथवा / OR

अणुव्रती की पात्रता क्या है, अहिंसा के लिए आचार्य तुलसी के अणुव्रत सिद्धांत की पालना अनिवार्य है, स्पष्ट करें।
Clarify who is elisible to be follower of Anuvrat. It is essential to be a follower of Anuvrat for Non-violence.

प्र. 3. नैतिकता अपरिवर्तनशील (अपरिवर्तनीय) है, तभी वह नैतिकता है, व्याख्या करें।
Explain morality is absolute/universal only then it is morality.

अथवा / OR

समाज विकास में क्रांति के नये आयामों में प्रौद्योगिकी की अवधारणा को स्पष्ट करें।
Of the many aspects of social progress explain the notion of Industrialization.

प्र. 4. भारतीय परिपेक्ष्य में कल्याणकारी कार्यक्रमों की विवेचना 20 वीं शताब्दी के सन्दर्भ में करो।
Explain in context of India the benovolent activities in 20th century.

अथवा / OR

अणुव्रत शिक्षा की विषय–वस्तु कैसे बन सकता है, उदाहरण सहित प्रकाश डालें।
Explain with illustrations how can Anuvrat be the subject of education?

प्र. 5. निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –
Write note on any two of the following-
(अ) राष्ट्रीय एकता / National Unity.
(ब) आचार्य महाश्रमण और अहिंसा।
Acharya Mahashraman and Non-violence.
(स) नक्सलवाद–राष्ट्रीय एकता में समस्या
Nexalite is a national problem.
(द) अहिंसक प्रशिक्षण / Training in Non-violence.

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष

विषय : हिन्दी साहित्य

प्रथम पत्र – रीतिकालीन काव्य साहित्य

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक सामने अंकित है।

प्र. 1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – **3x7=21**

(क) तौ लगि या मन-सदन में, हरि आवै किहिं बाट।
विकट जटै जौ लगु निपट, खुलै न कपट कपाट।।

(ख) देव सवै सुखदायक सम्पत्ति
सम्पत्ति को सुख दम्पत्ति जोरी।
दम्पत्ति दीपित प्रेम प्रतीति
प्रतीति की रीति सनेह निचोरी।
प्रीति तहाँ गुन रीति विचारि
विचारि को बानी, सुधा रस बोरी।
बानी को सार बखान्यो सिंगार
सिंगार को सार किसोर-किसोरी।

(ग) ऊँचे घोर मन्दर के अन्दर रहनवारी
ऊँचे घोर मन्दर के अन्दर रहाती हैं।
कन्द मूल भोग करैं, कन्द मूल भोग करैं
तीन बेर खातीं ते वै तीनि बेर खाती हैं।।
भूषण सिथिल अंग भूषण सिथिल अंग
विजन डुलाती ते वै विजन डुलाती हैं
भूषण भतत सिराज वीर तेरे त्रास
नगन जड़ातीं ते वै नगन जड़ाती हैं।।

(घ) तेरो कह्यो सिगरो मैं कियो निसि घौस तप्यो तिहुं तापन पाई।
मेरो कह्यो अब तू करि जो सब दाह मिटै परिहै सियराई।।
संकर पायनि में परि रे मन थोरे ही बातनि सिद्धि सुहाई।
आक धतूरे के फूल चढ़ाए ते रीझत हैं तिहुँ लोक के साईं।।

प्र. 2. बिहारी की अलंकार योजना की समीक्षा कीजिए। **10**

अथवा

भूषण रचित काव्य के कलापक्ष एवं भावपक्ष की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्र. 3. आप कैसे कह सकते हैं कि आचार्य केशव चमत्कारी प्रवृत्ति के कवि थे? स्पष्ट कीजिए। **10**

अथवा

रीतिकाल के प्रमुख प्रवर्तक का उल्लेख करते हुए रीतिकालीन प्रेरक परिस्थितियों का विवरण दीजिए।

प्र. 4. 'घनानंद स्वच्छंद धारा के अग्रणी कवि थे'– इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। **10**

अथवा

रीतिकाल के लिए उत्तर मध्य काल नामकरण का औचित्य लिखिए।

प्र. 5. आचार्य भरत के अनुसार नायकों का वर्गीकरण कीजिए। **09**

अथवा

काव्य के मूल तत्त्व रस तथा उसके प्रकारों का सोदाहरण विवरण दीजिए।

प्र. 6. निम्नांकित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए – **10**

(क) राष्ट्रीयता के गायक कवि भूषण।
(ख) रीति का तात्पर्य और लक्षण।
(ग) भामह का काव्यालंकार।
(घ) रीतिकालीन काव्य में नारी चित्रण।

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष

विषय : हिन्दी साहित्य

द्वितीय पत्र – नाट्य एवं निबन्ध साहित्य

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – **3x8= 24**

(क) मैं कवि तो नहीं हूँ परन्तु एक कवि का दिल मैंने भी पाया है। इसलिये तुम्हारी कद्र करता हूँ। यह दुनियाँ के झमेले नहीं होते तो मैं भी कविता करता। बचपन में कुछ लिखा भी है, ऐसी बात नहीं कि कुछ लिखा न हो। अब भी सोचता हूँ कि ये झंझटें खत्म हो जायें बच्चे–वाले ठिकाने लग जायें, जमीन–जायदाद के मामले तय हो जायें तो इत्मीनान से बैठकर साहित्य साधना करूँ।

अथवा

अब तुम समझो एक फनकार है, तस्वीरें बनाता है। उसके दिल में एक जज्बा उठता है। अब जज्बे का अपना तो कोई रंग–रूप नहीं होता, कोई शक्ल नहीं होती लेकिन वह फनकार रंगों, लकीरों की मदद से उस जज्बे का बयान कर देता है। मतलब कि तस्वीर देखने वाला उन रंगों और लकीरों को देखते हुए उस जज्बे को जाता है जिसे फनकार बयान करना चाहता है। समझे? इसी तरह पत्थर का बुत अपने में खुदा नहीं है लेकिन उसके जरिये हम खुदा का तसब्बुर कर लेते हैं। ऐसा इन लोगों का कहना है। पर हमें तो, सच पूछो, इन बातों के बारे में सोचकर ही सिरदर्द होने लगता है।

(ख) तु मेरा ही दूध है बेटा ! परन्तु मेरा भगवान तुझसे और मुझसे भी बडा है। मैं उसके आगे कैसे जाऊँ। मैं रोज दीप जलाकर भगवान की पूजा करती हूँ। मुझे उस दीपक के

प्रकाश में भगवान मुस्कराते दिखायी देते हैं। तुमने माता का दुःख दूर करने के लिये प्रयत्न किया, यह मैंनें भगवान से कहा तो मेरे भगवान मुस्कराये थे। आज उन्हीं से यह कह दूँ कि मेरा बेटा–विधर्मी हो गया है? उनसे कहूँ जो कहते हैं – सर्वधर्मान् परित्यज्य भामेंक शरणं ब्रज? तो क्या वे आँसू नहीं बहायेंगे?

अथवा

क्षणिक् आवेश में न बहो, भाई। हिन्दुओं पर जो अत्याचार हुए हैं, उन्हें सुनकर तुम्हारा रक्त खौल उठा है। बहादुर बनो। हमारे अन्दर अहिंसा की बहादुरी है। वह बहादुरी केवल मरने की शिक्षा देती है, मारने की नहीं। यह जगत् प्रतिक्षण बदलता है। इसमें संहार की इतनी शक्तियाँ हैं कि कोई स्थिर नहीं रह सकता, परन्तु फिर भी मनुष्य जाति का संहार नहीं हुआ, इसका यही अर्थ है कि सब जगह अहिंसा ओत–प्रोत है। मैं उसका दर्शन करता हूँ। गुरूत्वाकर्षण के समान अहिंसा संसार की सारी चीजों को अपनी ओर खींचती है।

(ग) कवि–चित्त जब बाह्य परिस्थितियों के साथ समझौता नहीं कर पाता, तब छन्दों की भाषा अत्यंत प्रभावशाली होकर प्रकट होती है। आन्तरिक सौन्दर्यानुभूति और बाहरी असुन्दर–सी लगने वाली परिस्थिति की टकराइट से जो विक्षोभ पैदा होता है वह सभी देशों में काव्य की भाषा को मुखर बना देता है, उसमें मूर्त्त का रूप और आवेग के पंख लगा देता है।

अथवा

भक्ति आन्दोलन में जो भावात्मक एकता स्थापति हुई उसमें जितना फैलाव था उतनी गहराई भी थी। यह एकता समाज के थोड़े से शिक्षित जनों तक सीमित नहीं थी। संस्कृत के द्वारा जो राष्ट्रीय एकता कायम हुई थी। उससे यह मित्र थी, इसकी जड़ें–नगरों और गाँवों की अनपढ़ जनता के बीच गहरी चली गई थी। यह एकता प्रादेशिक भाषाओं के माध्यम से कायम हो रही थी। भक्ति आन्दोलन एक और अखिल भारतीय आंदोलन था, दूसरी और वह प्रदेश गत, जातीय आंदोलन भी था देश और प्रदेश एक साथ, राष्ट्र और जाति दोनों की सांस्कृतिक धाराएँ एक

साथ। भक्ति आंदोलन की व्यापकता और सामर्थ्य का यही रहस्य है।

प्र. 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए – **3x8= 24**

(i) 'कबिरा खड़ा बजार में' नाटक के माध्यम से लेखक ने सामाजिक जड़ता और सत्ता के अहं को तोड़ने का प्रयास किया है। उक्त कथन को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'कबिरा खड़ा बजार में' नाटक के कथानक के गुण–दोषों की सम्यक् समीक्षा कीजिए।

(ii) 'कबिरा खड़ा बजार में' नाटक के प्रमुख पात्र कबीर का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

'कबिरा खड़ा बजार में' नाटक के नामकरण की सार्थकता पर विचार प्रकट करते हुए उसकी प्रासंगिकता बताइये।

(iii) 'राम–रहमान' एकांकी के शीर्षक पर विचार करते हुए इसके औचित्य तथा मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'समाज–दर्पण' एकांकी में एंकाकीकार ने आधुनिक समाज की उच्छंखलता का यथार्थ चित्रण किया है। इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

प्र. 3. निबन्ध को परिभाषित करते हुए उसकी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। **12**

अथवा

स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी नाटक के विकास को स्पष्ट कीजिए।

प्र. 4. निबन्ध की परिभाषा देते हुए भारतेन्दु हरिशचन्द्र का निबंध विधा में योगदान स्पष्ट कीजिए।

अथवा

नाटक के प्रमुख तत्त्वों का विवेचन कीजिए। **10**

♦♦♦

Q. 4. Discuss the relationship between Mrs. Bennet and her children, especially Elizabeth and Lydia. **15**

OR

Attempt the character sketches of any two:-

(i) Elizabeth Bennet

(i) Mrs. Bennet

(i) Lydia

(i) Mr. Darcy

(i) George Wickham

Q. 5. What are India's strength and weekness according to Jawaharlal Nehru? **10**

OR

Comment on the central idea of the essay, "The Civilization of Today'.

Q. 6. Explain any two of the given passages with reference to context. **2 x 5 = 10**

(i) Where is the thicket? Gone
Where is the eagle? Gone
The end of living and the beginning of survival.

(ii) We get caught. How? Not by what we give, but by what we expect. We get misery in return for our love; not from the fact that we love, but from the fact that we want love in return. There is no misery where there is no want. Desire, want is the father of all misery. Desire are bound by the laws of success and failure. Desires must bring misery.

(iii) The third great defect of our civilization is that it does not know what to do with its knowlegde. Science, as we have seen, has given us powers fit for the gods, yet we use them like small children.

♦♦♦

DISTANCE EDUCATION EXAMINATION - 2017
BACHELOR OF ARTS (B.A.) SECOND YEAR
SUBJECT - ENGLISH LITERATURE
PAPER - II : PROSE AND FICTION

Time : 3.00 Hours. **M.M. 70**
Note : Attempt all questions.

Q. 1. Attempt any four of the following questions in not more than 100 words each. **4x3=12**

(i) How did the astrologer come to know of his clients problems?

(ii) What was the narrator's reaction when he received the letter the following morning?

(iii) What promoted Gangu to accept Gomti and the child?

(iv) Why didn't the arrangement seem foolproof to Mr. Shamnath?

(v) In what sense could Rosemary be called pretty?

Q. 2. Answer any two of the following questions in not more than 250 words. **2 x 4 = 8**

(i) 'A cup of Tea' is a story of womanly jealously'. Discuss.

(ii) Explain the theme of 'Two Red Roosters' as the story of Indian's superstitious beliefs.

(iii) 'The child' exposes the hypocriry and insinerity of the middle classes, How?

Q. 3. Discuss the situation of the village 'Mano Majra' in Train to Pakistan. **15**

OR

Attempt a critical analysis of the plot of 'Train to Pakistan.'

(iii) पंचमी के स्थान पर अन्य कौन सी विभक्ति होती है? सोदाहरण लिखें।

(iv) संस्कृत में 'त्र' (कुत्र) प्रत्यय के स्थान पर प्राकृत में कौन-कौन से प्रत्यय होते हैं।

(v) मतु प्रत्यय के स्थान पर होने वाले आदेश लिखिए।

(vi) श्रु-गमि-रूदि..... सूत्र को पूरा कीजिए।

(vii) सप्तमी के स्थान पर द्वितीया विभक्ति के होने के नियम का उदाहरण दें।

प्र. 6. किन्हीं 6 वाक्यों का प्राकृत/हिन्दी में अनुवाद कीजिए। **6x1= 6**

(i) पच्चूसे अज्झयणं वरं अत्थि।

(ii) दुविहा जीवा।

(iii) ईसालू पुरिसो दुहं दाइ।

(iv) वे तीन बार भोजन करते हैं।

(v) उसने मुझे देखा।

(vi) मेरे द्वारा हंसा गया।

(vii) इमो महावीरस्स उवदेसो अत्थि।

(viii) भगवंतो ! अम्हे उवदिसहि।

प्र. 7. निम्न आठ शब्दों के अर्थ लिखिए। **8x1½= 4**

चाइ, पण्णरह, नवल्ल, केत्तिअ, तुम्हारिस, अभिलस, एगहा, कणिट्ठ, मुक्ख, फास

प्र. 8. प्राकृत में स्वेच्छानुसार किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में कहानी लिखिए। **10**

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा - 2017

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष

विषय : आगम विद्या एवं प्राकृत साहित्य

प्रथम पत्र - प्राकृत व्याकरण, अनुवाद एवं रचना

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक सामने अंकित हैं।

प्र. 1. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच सूत्रों की सोदाहरण वृत्ति लिखिए- **15**

अतः सेर्डोः
स्त्रियामादविद्युतः
त्वस्य डिमा-त्तणौ वा
संख्याया आमो ण्ह-ण्हं
वैसेणमिणमो सिना
भिसो हि-हिं-हिँ
क्लीबे स्वरान्म् सेः

प्र. 2. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच शब्दों की सिद्धि कीजिए- **15**

वणाइं, मालं, तिस्सा, भुमया, सव्वे, दोहिं, चउरो

प्र. 3. निम्नलिखित में से कोई एक शब्द के रूप लिखें। **5**

देव, वण, माला

प्र. 4. भू अथवा पढ धातु के वर्तमानकाल के रूप लिखिए। **5**

प्र. 5. किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **10**

(i) कथ् धातु को होने वाले आदेश लिखिए।

(ii) स्था धातु को क्या-क्या आदेश होते हैं?

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष

विषय : आगम विद्या एवं प्राकृत साहित्य

द्वितीय पत्र – अर्द्धमागधी आगम एवं प्राकृत कथा साहित्य

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

प्र. 1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो गद्यों का सप्रसंग अनुवाद कीजिए– **15**

(अ) सो कहेइ– ''हे नरिंद, पच्चूसे मम मुहस्स दंसणेण भोयणं न लब्भइ, परंतु तुम्हाणं मुहपेक्खणेण मम वहो भविस्सइ, तया पउरा किं कहिस्संति? मम मुहाओ सिरिमंताणं मुहदंसणं केरिसफलयं संजाअं, नायरा वि पभाए तुम्हाणं मुहं कहं पासिहिरे।'' एवं तस्स वयण–जुत्तीए संतुट्ठो नरिंदो वहाएसं निसेहिऊणं पारितोसिअं च दच्चा तं अमंगलियं संतोसीअ।

(ब) कालियासो तया ते दुण्णि विउसे बोल्लाविऊण तेसिं नेत्ताइं पडेण बंधित्ता, दुवे य हत्थे पिट्ठस्स पच्छा बंधिअ, पाए गाढयरं निअंतिअं अंधयारमए अववरगे ते दुण्णि विउसा ठविआ कहियं च– ''जो दइव्ववाई, सो दइव्वेण छुट्टउ, जो उज्जमवाई, सो उज्जमेण छुट्टेज्जा।'' एवं कहिऊण कालियासो पच्छा नियत्तो।

(स) सो सुवण्णयारो भएण कंपमाणो इओ तओ अवलोएंतो मग्गे आवणवीहीए गच्छंतो कमेण जया सागवावारिणो हट्ठसमीवमागओ, तया केण जणेण पक्कचिब्भडं बाहिरं पक्खित्तं, तं तु तस्स सुवणयारस्स पिट्ठभागे लग्गिअं। तेण नायं केणावि अहं पहरिओ। पिट्ठदेसे हत्थेण फासेइ, तत्थ चिब्भडस्स रसं बीआइं च फासिऊण विआरिअं – ''अहो हं गाढयरं पहरिओ म्हि, तेण घाएण सह सोणिअं पि निग्गयं, तम्मज्झे कीडगावि समुप्पन्ना।

प्र. 2. निम्नलिखित गाथाओं की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (कोई दो) **10**

(क) जहा लाहो तहा लोहो,
लाहा लोहो पवड्ढई।
दोमासकयं कज्जं
कोडीए वि न निट्ठियं।।

(ख) देवदाणवगंधव्वा, जक्खरक्खसकिन्नरा।
बंभयारिं नमंसंति, दुक्करं जे करंति तं।।

(ग) चत्तारि परमंगाणि, दुल्लहाणीह जंतुणो।
माणुसत्तं सुई सद्धा, संजमम्मि य वीरियं।।

प्र. 3. ''जीवन में कोई भी वस्तु एवं अवसर तुच्छ नहीं।'' ''पंचसालिकणाणं सत्ति'' कहानी के आधार पर इस उक्ति की विस्तार से समीक्षा कीजिए। **15**

अथवा

शिल्पी-पुत्र की कथा के अध्ययन से मिलने वाली शिक्षाओं पर समीचीन प्रकाश डालें।

प्र. 4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए (कोई तीन)- **9**

(i) अमांगलिक व्यक्ति की कारूणिक व्यक्ति ने किस प्रकार सहायता की?

(ii) चारों दामाद को ससुरजी ने किस प्रकार निकाला?

(iii) सिकन्दर कौन था? वह किस उद्देश्य से अपने राज्य से निकला था?

(iv) सप्रसंग अनुवाद कीजिए-
सोच्चा विउससिट्ठाणं चरियं जणबोहगं
सया हिए पयट्ठेज्जा संतोसं माणसे धरे।।

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच शब्दों के अर्थ लिखिए। **5**

(i) अधुवे (ii) आवट्टजोणीसु
(iii) भारुंडपक्खी (iv) महेसी
(v) माणुसंत्तं (vi) आउसं
(vii) आरियत्तं

प्र. 6. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन शब्दों की व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। **6**

(i) जत्थ (ii) परोप्परं
(iii) संजाओ (iv) पासिऊण
(v) तेणं कालेणं

प्र. 7. ''द्रुमपत्रक'' अध्ययन के आधार पर जीवन की क्षणभंगुरता पर प्रकाश डालिए। **10**

अथवा

''जीवन असंस्कृत है - उसे सांधा नहीं जा सकता,'' इसे असंख्य अध्ययन के आधार पर स्पष्ट करें।

♦♦♦

प्र. 3. सूत्र के साथ विभक्ति निर्देश कीजिए (कोई पाँच)

(i) गुरवे नमः (ii) बालकाय मोदकं रोचते।
(iii) रामाद् अन्यः कः सत्यं वदेत्। (iv) यवेभ्यः पशुं वारयति।
(v) जनकेन सह गच्छति। (vi) सः नेत्रेण काणः अस्ति।
(vii) कृष्णस्य तुल्यः न कोऽपि।

प्र. 4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच का समास विग्रहपूर्वक नामोल्लेख कीजिए–

(i) हरौ (ii) निर्मक्षिकम् (iii) सहहरि
(iv) पञ्चगवम् (v) शिवकेशवौ (vi) रूपवद्भार्यः
(vii) पीताम्बरः।

प्र. 5. निम्नलिखित किन्हीं पाँच तद्धित पदों की रूप सिद्धि कीजिए –

(i) आश्वपतम् (ii) प्राजापत्यः (iii) शैवः (iv) द्विमातुरः
(v) कानीनः (vi) पाञ्चालः (vii) ऐन्द्रः

प्र. 6. किन्हीं सात वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(i) मैंने दान दिया और भोजन किया।
(ii) पिता पुत्रों का पालन करता है।
(iii) वह परसों आया था, कल गया।
(iv) राजा नौकर को काम में लगाता है।
(v) वह पुत्र को शिला पर बैठाता है।
(vi) हरि का भजन किया जाता है।
(vii) वक्ता के द्वारा भाषण दिया जाता है।
(viii) अग्नि उष्ण होती है और जल शीतल
(ix) कृष्ण बार–बार शीघ्रता करता है।
(x) सेनापति पर्वत को लांघता है।

प्र. 7. किन्ही एक विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखें –

(i) संघे शक्तिः कलौ युगे।
(ii) सदाचारस्य उपयोगिता।

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष

विषय : संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य

प्रथम पत्र – संस्कृत व्याकरण, अनुवाद एवं रचना (कालु कौमुदी)

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

प्र. 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **10 x 1 = 10**

(i) सेट्, वेट् और अनिट् किसे कहते हैं?
(ii) आत्मनेपद् धातु की क्या पहचान है?
(iii) 'यादादि' में लगने वाले प्रत्ययों को लिखो।
(iv) अव्ययीभाव समास किसे कहते हैं?
(v) 'तुल्यार्थैस्तृतीया् यषष्ठ्यौ' सूत्र का अर्थ एवं उदाहरण दीजिए।
(vi) .....सर्वाः। सूत्र पूर्ति कीजिए।
(vii) 'निष्कौशाम्बिः' में समास विग्रह कीजिए।
(viii) 'चक्रपाणिः' शब्द में कौन सा समास है?
(ix) 'अकृक्षत्' रूप किस लकार और किस धातु का है?
(x) 'कुलीनः' का विग्रह करते हुए प्रत्यय लिखो।

प्र. 2. निम्नलिखित किन्हीं पाँच सूत्रों की व्याख्या कीजिए। **5 x 2 = 10**

(i) सन्यङश्च। (ii) उपधाया लघोः।
(iii) समासप्रत्यययोः। (iv) तुल्यार्थं चानेकं च।
(v) तद्धितेऽनाति यस्वरे। (vi) धर्माधर्माभ्यां चरति।
(vii) भावे त्वतलौ। (viii) न संप्रसारणे।

प्र. 3. ससूत्र विभक्ति निर्देश कीजिए – (कोई पांच) **10**

(i) मुनिः ग्राममधिशेते। (ii) अन्तरा निषधं नीलवन्तं च मेरूः।
(iii) वर्णेन गौरः (iv) मैत्राय क्रुध्यति।
(v) अध्ययनात् पराजयते। (vi) यवानां लावकः।
(vii) सीम्नि पुष्कलको हतः।

प्र. 4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पदों की सिद्धि कीजिए– **10**

(i) अधिकुमारि (ii) मासोनम्
(iii) समरसिंहः (iv) कुम्भकारः
(v) महादेवः (vi) अरूंतुदः
(vii) अहिनकुलम्

प्र. 5. निम्नलिखित किन्हीं पाँच तद्धित रूपों की सिद्धि कीजिए– **10**

(i) काश्यपः (ii) यौवतम्
(iii) वैयाकरणः (iv) मूर्धन्यः
(v) मायावान् (vi) सभ्यः
(vii) शाकुनिकः

प्र. 6. निम्नलिखित किन्हीं पाँच क्रियापदों की सिद्धि कीजिए– **10**

(i) तताक (ii) एजति
(iii) कटिता (iv) स्वेनतुः
(v) सीदति (vi) कुरूषे
(vii) लभते

प्र. 7. किन्हीं पाँच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए – **5**

(i) पार्वती और जानकी पृथ्वी पर बैठी हुई अष्टाध्यायी पढ़ रही हैं।
(ii) जब मैं लिख रहा था तब एक आदमी मेरे पास आया।
(iii) सोये हुए बालक को देखो और पढ़े हुए पाठ को फिर स्वयं पढ़ो।
(iv) तुमने गाना गाया, जल पिया, गुरू को प्रणाम किया और शत्रु को बांधा।
(v) पिता पुत्रों का पालन करता है।
(vi) शिष्य तैरना चाहता है और धर्म को जानना चाहता है।
(vii) दर्शक के द्वारा दो छात्र देखे जाएँ।
(viii) प्रथम कक्षा के 11 वें, द्वितीय के 15 वें, तृतीय के 16 वें छात्र को गुरूजी बुला रहे हैं।

प्र. 8. किसी एक विषय पर संस्कृत भाषा में निबन्ध लिखिए– **5**

(i) शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्। (ii) शास्त्रेषु गुरोर्माहात्म्यम्
(iii) स्त्रीशिक्षायाः आवश्यकता।

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष

विषय : संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य

प्रथम पत्र – संस्कृत व्याकरण, अनुवाद एवं रचना (लघु सिद्धान्त कौमुदी)

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

प्र. 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **10 x 1 = 10**

(i) 'अच्' प्रत्याहार के वर्णों को लिखिए।
(ii) 'पद' किसे कहते हैं?
(iii) सर्वनामस्थान संज्ञा क्या है?
(iv) सवर्ण संज्ञा किसे कहते हैं?
(v) अव्ययीभाव समास की क्या पहचान है?
(vi) कारक किसे कहते हैं?
(vii) पञ्चानां पात्राणाम् समाहारः से बनने वाले समस्त पद को लिखो।
(viii) 'तद्धित' शब्द का क्या अर्थ है?
(ix) 'उपधा' संज्ञा किसे कहते हैं?
(x) 'त्वया पुस्तकं पठितव्यम्' को कर्तृवाच्य में बदलो।

प्र. 2. किन्हीं पाँच सूत्रों की व्याख्या कीजिए– **5 x 3 = 15**

(i) समर्थानां प्रथमाद् वा। (ii) हलो यमां यमि लोपः।
(iii) भिक्षादिभ्योऽण्। (iv) प्रमाणेद्वयसज्दघ्नञ्मात्रचः
(v) संख्याया अवयवे तयप्। (vi) पञ्चम्यास्तसिल्।
(vii) तेन क्रीतम्

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा - 2017

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष

विषय : संस्कृत व्याकरण एवं साहित्य

द्वितीय पत्र - काव्य, नाटक, कोश, छंद एवं अलंकार

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक प्रश्न के सामने अंकित है।

प्र. 1. निम्नलिखित श्लोक में से किन्हीं दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

8 x 2 = 16

(i) सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं,
मलिनमपि हिमाशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति।
इयधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी,
किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्।।

(ii) यास्यत्यद्य शकुन्तलेति हृदयं संस्पृष्टमुत्कण्ठया,
कण्ठः स्तम्भितबाष्पवृत्तिकलुषश्चिन्ताजडं दर्शनम्।
वैक्लव्यं मम तावदीदृशमिदं स्नेहादरण्यौकसः
पीड्यन्ते गृहिणः कथं न तनयाविश्लेषदुःखैर्नवैः।।

(iii) शुश्रुषस्व गुरून् कुरु प्रियसरवीवृत्तिं सपत्निजने,
भर्तुर्विप्रकृतापि रोषणतया मा स्म प्रतीपं गमः।
भूयिष्ठं भव दक्षिणा परिजने भाग्येष्वनुत्सेकिनी,
यान्त्येवं गृहिणीपदं युवतयो वामाः कुलस्याधयः।।

प्र. 2. अभिज्ञान शाकुन्तलम् में वर्णित प्रकृति चित्रण का वर्तमान संदर्भ में महत्त्व बताइये। **8**

अथवा

महर्षि कण्व (काश्यप) का चरित्र चित्रण कीजिए।

प्र. 3. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **6**

अपारे संसारे कथमपि समासाद्य नृभवं,
न धर्मं यः कुर्याद् विषयसुखतृष्णातरलितः।
ब्रुडन् पारावारे प्रवरमपहाय प्रवहणं,
स मुख्यो मूर्खाणामुपलमुपलब्धुं प्रयतते।।

अथवा

पिता माता भ्राता प्रियसहचरी सूनुनिवहः,
सुहृत्स्वामी माद्यत्करिभटरथाश्वः परिकरः।
निमज्जन्तं जन्तुं नरककुहरे रक्षितुमलं,
गुरोर्धर्माडधर्मप्रकटनपरात् कोऽपि न परः।।

प्र. 4. अहिंसा के महत्त्व पर प्रकाश डालिए। **4**

प्र. 5. निम्नलिखित गद्यांश का सप्रसंग अनुवाद करें। **4**

धार्मिका जनाः स्वकीयमाराध्यमुपासते। धर्मस्य क्षेत्रे उपासनाया भक्त्या वा मूल्यं वरीवर्ति। धर्मस्य महत्त्वपूर्णमपरं तत्त्वं सदाचारः। तस्य धार्मिक्या सामाजिक्या च दृष्ट्या विलसति प्रोन्नतं पदम्। नास्तिकेनापि मनुजेन सदाचारिणा भाव्यम्। यतः स्वस्थ-समाज-संरचना भवेत्।

प्र. 6. ''भाग्य और पुरूषार्थ'' अथवा ''उदारता'' कहानी का सार अपने शब्दों में लिखिए। **6**

प्र. 7. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए- **6**

(i) अन्तकरण (ii) संस्कार (iii) भ्रम

प्र. 8. निम्नलिखित किन्हीं दो शब्दों के अर्थ लिखिए। **2 x 2 = 4**

(i) व्यथा (ii) आधि (iii) क्षुधा

प्र. 9. निम्नलिखित किन्हीं दो सूक्तियों का अर्थ स्पष्ट कीजिए। **3 x 2 = 6**

(i) अतिस्नेहः पापशंकी
(ii) अर्थो हि कन्या परकीय एव
(iii) अहो विघ्नवत्यः प्रार्थितार्थसिद्धयः

प्र. 10. किन्हीं दो अलंकारों का सोदाहरण लक्षण बताइए। **2½ x 2 = 5**

(i) अनुप्रास (ii) यमक (iii) दृष्टान्त

प्र. 11. किन्हीं दो छन्दों का सोदाहरण लक्षण बताइए। **2½ x 2 = 5**

(i) आर्या (ii) अनुष्टुप (iii) उपजाति

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा - 2017

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष

विषय : राजनीति शास्त्र

प्रथम पत्र - भारतीय राजनीतिक विचारक

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. महावीर की देन तथा उनके दर्शन का मूल्यांकन कीजिए।
Describe the contribution of Mahaveer and evaluate his philosophy.

अथवा / OR

भारतीय राजनीतिक दर्शन में कौटिल्य के योगदान का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
Critically examine Kautilya's contribution to Indian political thought.

प्र. 2. ''राजा राम मोहन रॉय आधुनिक भारत के पिता थे।'' व्याख्या कीजिए।
"Raja Ram Mohan Ray was the father of modern India". Discuss it.

अथवा / OR

स्वामी दयानन्द सरस्वती के राजनीतिक विचारों का वर्णन कीजिए।
Describe the political idias of Swami Dayananda Sarswati.

प्र. 3. स्वराज्य की अवधारणा एवं इसे अर्जित करने के साधनों पर तिलक के विचारों का विवेचन कीजिए।
Discuss Tilak's views on the concept of Swaraj and mean's to achieve it.

अथवा / OR

अरविन्द घोष के प्रमुख राजनीतिक विचारों का मूल्यांकन कीजिए।
Evaluate the major political ideas of Arvind Ghosh.

प्र. 4. गाँधी के आदर्श राज्य (राम राज्य) सम्बन्धी विचारों का मूल्यांकन कीजिए।
Evaluate Gandhi's views about ideal state (Ram-Rajya).

अथवा / OR

''राष्ट्रवाद'' पर नेहरू के विचारों का परीक्षण कीजिए।
Examine the idea of Nehru on "Nationalism".

प्र. 5. ''नव-मानवतावाद'' के ऊपर एम.एन. राय के विचारों का विश्लेषण कीजिए।
Analyse the views of M.N. Roy on "New- Humanism."

अथवा / OR

डॉ. राम मनोहर लोहिया के प्रमुख सामाजिक विचारों की व्याख्या कीजिए।
Explain the major social ideas of Dr. Ram Manohar Lohia.

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष

विषय : राजनीति शास्त्र

द्वितीय पत्र – आधुनिक संविधान

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. ''ब्रिटेन का संविधान संयोग और ज्ञान का शिशु है।'' व्याख्या कीजिए।

"British Constitution is a child of wisdom and chance." Discuss.

अथवा / OR

ब्रिटिश प्रधानमंत्री की शक्तियों, कार्यों और स्थिति का वर्णन कीजिए। क्या उसे 'समकक्षों में प्रथम' कहा जाना उचित है।

Describe the power, functions and position of British Prime Minister. Is he 'First among the equals'?

प्र. 2. ''अमेरिकी सीनेट विश्व के द्वितीय सदनों में सर्वाधिक शक्तिशाली है।'' विवेचना कीजिए।

"The American Senate is the most powerful second chamber in the world." Discuss.

अथवा / OR

संयुक्त राज्य अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय के संगठन, अधिकारों एवं कार्यों का वर्णन कीजिए।

Describe the composition, powers and functions of Supreme Court of U.S.A.

प्र. 3. ''स्विट्जरलैण्ड के संविधान की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Describe the features of Switzerland's Constitution.

अथवा / OR

''स्विट्जरलैण्ड प्रत्यक्ष प्रजातंत्र का घर है।'' इस कथन के सन्दर्भ में स्विट्जरलैण्ड में प्रत्यक्ष प्रजातंत्र के उपकरणों का विश्लेषण कीजिए।

"Switzerland is the home of direct democracy." In refefence to this statement analyse the tools of direct democracy in Switzerland.

प्र. 4. जापान के प्रधानमंत्री की शक्तियों एवं स्थिति की समीक्षा कीजिए।

Examine the power and position of the Japanese Prime Minister.

अथवा / OR

जापान की डायट के संगठन व कार्यों का विश्लेषण कीजिए।

Analyse the composition and functions of the Diet in Japan.

प्र. 5. चीन की राष्ट्रीय जनवादी कांग्रेस के संगठन एवं शक्तियों का विश्लेषण कीजिए।

Discuss the composition and powers of the N.P.C. in China.

अथवा / OR

जनवादी चीन के राष्ट्राध्यक्ष के कार्यों व शक्तियों की व्याख्या कीजिए।

Discuss the function and powers of the President of the People's Republic of China.

♦♦♦

प्र. 3. स्वतन्त्र व्यक्तित्त्व विकास की व्याख्या करें।

Explain the Independent Personality development.

अथवा / OR

मस्तिष्क प्रशिक्षण की पद्धति पर एक निबन्ध लिखें।

Write an essay on training of brain.

प्र. 4. अनुप्रेक्षा के वैज्ञानिक आधार का वर्णन करें।

Explain the scientific basis of Contemplation.

अथवा / OR

समन्वय एवं मानवीय एकता के महत्त्व को स्पष्ट करें।

Clarify the importance of Cordination and Human Unity.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए–

Write short notes on any two of the followings-

(i) मानसिक संतुलन / Mental Balance.

(ii) धैर्य / Patience.

(iii) मृदुता / Modesty.

♦♦♦

Q. Paper Code : BAD217

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष

विषय : जीवन विज्ञान

प्रथम पत्र – जीवन विज्ञान : मूल्यपरक शिक्षा

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 50

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. मूल्यों के प्रमुख प्रकारों को स्पष्ट करें।

Clarify the main types of Values.

अथवा / OR

मूल्यों के विकास में समाज की भूमिका को स्पष्ट करें।

Clarify the role of society in developing of Values.

प्र. 2. वर्तमान शिक्षा प्रणाली की प्रमुख समस्यायें बताइये।

Discuss the main problems of modern education system.

अथवा / OR

मूल्यपरक शिक्षा का उद्देश्य एवं शिक्षण–विधि स्पष्ट कीजिए।

Explain the objectives and teaching methodology of Value Education.

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष

विषय : जीवन विज्ञान

द्वितीय पत्र – जीवन विज्ञान एवं स्वास्थ्य

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 50**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. स्वास्थ्य की अवधारणा एवं पर्यावरण और स्वास्थ्य के अन्तः सम्बन्ध को समझाइए।
Explain the concept of health and inder relation between environment and health.

अथवा / OR

स्वास्थ्य शिक्षा के सिद्धान्त को समझाइए।
Explain the principles of Health Education.

प्र. 2. अस्थि तंत्र का परिचय दीजिए।
Introduce the Skeleton system.

अथवा / OR

पेशी तंत्र को स्पष्ट कीजिए।
Clearify the Muscular system.

प्र. 3. शरीर का रासायनिक स्वरूप क्या है?
What is the chemical composition of body.

अथवा /OR

पेशीतंत्र के रोगों का उपचार जीवन विज्ञान द्वारा कैसे सम्भव है?
How the management of muscular systems disease are possible through Science of Living.

प्र. 4. श्वसन तंत्र का परिचय दीजिए।
Introduce the Respiratory system.

अथवा / OR

जीवन विज्ञान द्वारा रोग प्रतिरोधी क्षमता को कैसे बढ़ाया जा सकता है।
How imunity can be increases through Science of Living.

प्र. 5. आहार पर एक विस्तृत लेख लिखिए।
Write a detail note on deit.

अथवा / OR

स्वास्थ्य एवं आहार के अंतःसम्बन्ध को समझाइए।
Explain the inter-relation between health and diet.

♦♦♦

अथवा / OR

अकबर के अधीन मुगल साम्राज्य के विस्तार की आलोचनात्मक विवेचना कीजिये।

Evaluate critically the expansion of Mughal empire during Akbar's regime.

प्र. 4. जहांगीर की धार्मिक नीति का वर्णन कीजिये।

Describe the religious policy of Jahangir.

अथवा / OR

मुगल दरबार में नूरजहां की भूमिका की विवेचना कीजिये।

Evaluate the role of Noorjahan in Mughal empire.

प्र. 5. ''मुगलकाल में कृषि व्यवस्था'' विषय पर एक निबंध लिखिए।

Write an essay on the topic "Agricultural arrangement in Mughal period.

अथवा / OR

मुगलकाल में मनसबदारी प्रथा पर एक लेख लिखिये।

Write an essay on Mansabdari systam in the Mughal period.

♦♦♦

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष

विषय : इतिहास

प्रथम पत्र – मध्यकालीन भारत का इतिहास (1206 से 1740 ई. तक)

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. कुतुबुद्दीन ऐबक की उपलब्धियों का वर्णन कीजिये।

Describe the achievements of Qutubuddin Aibak.

अथवा / OR

इल्तुतमिश की उपलब्धियों का वर्णन कीजिये।

Describe the achievements of Iltutmish.

प्र. 2. सल्तनत काल में सामाजिक व आर्थिक व्यवस्था का वर्णन कीजिये।

Explain social and economic condition during Sultanat period.

अथवा / OR

बहमनी साम्राज्य की स्थापना के कारणों की विवेचना कीजिये।

Discuss the causes of the establishment of Bahmani empire.

प्र. 3. बाबर के आक्रमण के समय भारत की राजनीतिक दशा का मूल्यांकन कीजिये।

Evaluate the political condition of India during the atteck of Babar.

पत्राचार पाठ्यक्रम परीक्षा – 2017

स्नातक (बी.ए.) द्वितीय वर्ष

विषय : इतिहास

द्वितीय पत्र – राजस्थान के इतिहास का सर्वेक्षण (आरम्भिक काल से 1958 ई. तक)

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. कालीबंगा सभ्यता का वर्णन कीजिए।

Describe the 'Kalibanga' civilization.

अथवा / OR

पृथ्वीराज चौहान की उपलब्धियों का वर्णन कीजिए।

Describe the achievements of Prithviraj Chouhan.

प्र. 2. आमेर दुर्ग की स्थापत्य कला का वर्णन कीजिए।

Describe the architecture of Amer fort.

अथवा / OR

राजपूत राज्यों में सामन्तवाद की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Describe the features of fuedalism in Rajput states.

प्र. 3. सवाई जयसिंह द्वितीय द्वारा मुगलों के प्रति की गई सेवाओं का वर्णन कीजिए।

Describe the services rendered by Savai Jaisingh II to the Mughals.

अथवा / OR

महाराणा कुंभा की राजनीतिक एवं सांस्कृतिक उपलब्धियों का वर्णन कीजिए।

Describe the political and cultural achievements of Maharana Kumbha.

प्र. 4. '1857 के विद्रोह' पर विस्तृत लेख लिखिए।

Write detail note on 'Revolt of 1857.'

अथवा / OR

राजस्थान में राजनीतिक जनजागरण के क्या कारण थे?

What were the main reasons of political awakening in Rajasthan.

प्र. 5. बिजोलिया किसान आन्दोलन पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on Bijolia farmers movement.

अथवा / OR

मारवाड़ प्रजामण्डल आन्दोलन पर विस्तृत लेख लिखिए।

Write a detail note on Marwar Prajamandal movement.

♦♦♦